

नेक बनने का नुस्खा

पन्दरहवीं सदी की अज़्जीम इल्मी व रुहानी शख्सियत
शैख़े तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी

हज़रते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुहम्मद इल्यास अत्तार कादिरी र-ज़वी دامت برَّكَاتُهُ عَلَيْهِ

ने इस पुर फ़ितन दौर में ह-रमैने तथ्यबैन में नेकियां करने
और गुनाहों से बचने के तरीकों पर मुश्तमिल जामेअ मज्मूआ

बराए उम्रह व सफ़रे मदीना

19 म-दनी इन्ड्रामात

19 Madani Inamat-Umrah (Hindi)

ब सूरते सुवालात अत्ता फ़रमाए हैं । इन के मुताबिक़ आसानी
से अमल करने का तरीक़ए कार आखिर में दिया गया है ।
मज़ीद मा'लूमात के लिये मजलिसे म-दनी इन्ड्रामात के इस
आई डी पर ई मेइल फ़रमाएं support@madaniinamat.net

मर्कज़ी मजलिसे शूरा (दा'वते इस्लामी)

الْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ! فَأَعُوذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيمِ طِبِّسِمُ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيمِ طِبِّسِمُ

किताब पढ़ने की दुआ

अज़ : शैखे तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, हज़रत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अन्तार क़ादिरी र-ज़वी दَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَّه

दीनी किताब या इस्लामी सबक पढ़ने से पहले जैल में दी हुई दुआ पढ़ लीजिये *إِنْ شَاءَ اللّٰهُ عَزَّ وَجَلَّ* जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा । दुआ ये है :

اللّٰهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَأُنْشِرْ
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَالْجَلَالِ وَالْأَكْرَامِ

तरजमा : ऐ अल्लाह ! हम पर इल्मो हिक्मत के दरवाजे खोल दे और हम पर अपनी रहमत नाज़िल फ़रमा ! ऐ अ-ज़मत और बुजुर्गी वाले ।

(مُسْتَطَرْفَ ج ٤ ص ٤٠ دار الفكريبروت)

नोट : अब्बल आखिर एक एक बार दुरूद शरीफ पढ़ लीजिये ।

तालिबे ग़मे मदीना व

बक़ीअ़ व मग़िफ़रत



13 शब्बालुल मुकर्म 1428 हि.

19 म-दनी इन्हामात (बराए उम्रह व सफ़ेरे मदीना)

ये हर रिसाला (19 म-दनी इन्हामात (बराए उम्रह व सफ़ेरे मदीना))

शैख़े तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी हज़रत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अत्तार क़ादिरी र-ज़वी دامت برکاتہم العالیہ ने उर्दू ज़बान में तहरीर फ़रमाया है।

मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को हिन्दी रस्मुल ख़त में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाएअ़ करवाया है। इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे तराजिम को (बज़रीअ़ ए मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्तलअ़ फ़रमा कर सवाब कमाइये।

राबितः मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस, अलिफ़ की मस्जिद
के सामने, तीन दरवाज़ा, अहमदआबाद-1, गुजरात

MO. 9374031409

E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ طَآمَّا بَعْدَ فَاعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَنِ الرَّجِيمِ طَبِسُمُ اللَّهُ الرَّحْمَنُ الرَّجِيمُ طَ

19 म-दनी इन्ड्रामात

(बराए उम्रह व सफ़ेर मदीना)

म-दनी तहरीक बराए इबादाते ह-रमैन

﴿1﴾ क्या आज आप ने कुछ न कुछ जाइज़ कामों से पहले अच्छी अच्छी नियतें कीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

﴿2﴾ क्या आज आप ने मक्काए मुकर्मा व मदीनाए मुनब्वरह رَأَدْهُمَا اللَّهُ की हाजिरी के दौरान दिन का अक्सर हिस्सा बा वुजू रहने के साथ साथ आबे ज़मज़म नोश फ़रमाया ? (रोज़ा होने की सूरत में रात में)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

﴿3﴾ क्या आज आप का फ़राइज़, वाजिबात और सु-नने मुअक्कदात पर अ़मल के साथ साथ अक्सर “म-दनी इन्ड्रामात” के मुताबिक़ अ़मल रहा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

﴿4﴾ क्या आज आप ने ज़बान का कुप्ले मदीना लगाते हुए कम अज़ कम 12 मर्तबा

लिख कर और कम अज़ कम 12 मर्तबा इशारे से गुफ्त-गू की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖ 5 ❖ क्या आज आप बिला ज़रूरत मोबाइल फ़ोन के इस्ति'माल से बचे ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖ 6 ❖ क्या आज आप ने फ़िक्रे मदीना कर के म-दनी इन्हामात का रिसाला पुर किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖ 7 ❖ क्या आज आप ने दौराने गुफ्त-गू हत्तल इम्कान निगाहें नीची रखीं ?

(ज़हे नसीब ! निगाहों की हिफ़ाज़त की आदत बनाने की ख़ातिर कम अज़ कम 12 मिनट कुप़ले मदीना का ऐनक इस्ति'माल फ़रमाया हो)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖ 8 ❖ क्या आज आप ने सफरे मदीना में इन कुतुब (रफ़ीकुल मो'तमिरीन, कुफ़िया कलिमात के बारे में सुवाल जवाब, नमाज़ के अह़काम, ग़ीबत की तबाह कारियां) में से कम अज़ कम 12 मिनट मुता-लआ करने की सआदत हासिल की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖ 9 ❖ क्या आज आप ने कम अज़ कम एक घन्टा **12** मिनट म-दनी चेनल या म-दनी मुज़ा-करा सुनने या देखने की सआदत हासिल की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖ 10 ❖ क्या आज आप ने इन्फ़िरादी कोशिश कर के कम अज़ कम तीन ज़ाइरीन के नाम और फ़ोन नम्बर्ज़ हासिल किये ? (ज़हे नसीब ! बा'द में भी उन से राबिते की तरकीब रहे)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖ 11 ❖ क्या आज आप ने कम अज़ कम **1200** बार दुर्लट शरीफ़ पढ़ लिये ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖ 12 ❖ क्या आज आप ने पेट का कुफ़ले मदीना लगाते हुए ख़्वाहिश से कम खाने की कोशिश की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

❖ 13 ❖ क्या आज आप आइसक्रीम और कोल्ड डिंक से बचने में काम्याब हुए ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

﴿14﴾ क्या आज आप ने कम अज़ कम 12 मिनट कुफ़्ले मदीना का कार्ड सीने पर सजाया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

﴿15﴾ क्या आज आप ने मक्कए मुकर्मा رَأَدَهَا اللَّهُ شَرْفًا وَتَعْظِيمًا में हाज़िरी के दौरान त़वाफ़ या उम्रह करने की सआदत हासिल की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

﴿16﴾ क्या आज आप ने रोज़ा रखने की सआदत हासिल की ?
(ईदुल फ़ित्र और 10, 11, 12, 13 जुल हिज्जतिल हराम को रोज़ा रखना मकर्खे तहरीमी है)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

मुकम्मल सफ़र के म-दनी इन्हामात

﴿17﴾ मक्का शरीफ़ और मदीने शरीफ़ में कम अज़ कम एक एक कुरआने करीम ख़त्म करने की सआदत मिली ?

मक्का
शरीफ़

मदीना
शरीफ़

﴿18﴾ क्या आप का मक्का शरीफ़ और मदीना शरीफ़ में क़ाफ़िलाते हरम का जदूल रहा ?

मक्कतुल मुकर्मा

कितने दिन ?

मदीनतुल मुनब्वरह

कितने दिन ?

﴿19﴾ क्या आप ने सहाबए किराम رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُمْ व बुजुर्गने दीन رَحْمَهُمُ اللَّهُ الْمُبِينُ के अय्याम मनाने की तरकीब की ? (जिन बुजुर्गने दीन رَحْمَهُمُ اللَّهُ الْمُبِينُ के अय्याम आप के सफर में आते हैं)

म-दनी फूल करने वाले कामों (म-सलन उम्रह व तवाफ़, तिलावत व ना'त जिक्रो दुरूद, दीनी मुत्ता-लअ़ा, फ़िक्रे मदीना, बयान व म-दनी मुज़ा-करा वगैरा सुनने) में खुद को मसरूफ़ रखेंगे तो न करने वाले कामों (म-सलन फुजूल गोई, हंसी मज़ाक़, गीबत, चुगली, झूट, बद निगाही, मोबाइल फ़ोन का गैर ज़रूरी इस्ति'माल, मस्जिदैने करीमैन में दुन्या की बातों वगैरा) से **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** बचत का सामान होगा और यूं **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** सफरे मदीना में इबादत में खुशूओं खुजूओं, जौको शौक़, रिक़क़ते क़ल्बी, अशकबारी और आहो ज़ारी की सआदत भी नसीब होगी ।

❖ दुआए अत्तार ❖

या रब्बल मुस्तफ़ा ! जो कोई उम्रह शरीफ़ के सफर में इन म-दनी इन्नामात के मुत्ताबिक़ अपने अवकात गुज़ारे उसे मरते वक्त जल्वए महबूब दिखा ।

اِمِينٌ بِجَاهِ الْبَيِّنِ الْاَمِينِ صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

कारकर्दगी बराए म-दनी तहरीक बराए इबादाते हृ-रमैन (बराए उम्रह)

﴿1﴾ इस मुबारक सफ़र के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मर्तबा लिख कर गुफ्त-गू फ़रमाई ?

﴿2﴾ इस मुबारक सफ़र के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मर्तबा इशारे से गुफ्त-गू फ़रमाई ?

﴿3﴾ इस मुबारक सफ़र के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मर्तबा दौराने गुफ्त-गू निगाहें नीची रखीं ?

﴿4﴾ इस मुबारक सफ़र के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मिनट कुफ़्ले मदीना का ऐनक इस्ति'माल फ़रमाया ?

﴿5﴾ इस मुबारक सफ़र में आप ने अमीरे अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَّهُ की इन कुतुब (रफीकुल मो'त्मिरीन, नमाज़ के अहकाम) का अव्वल ता आखिर मुता-लआ फ़रमाया ?

﴿6﴾ इस मुबारक सफ़र में 19 म-दनी इन्हामात में से कितने पर अ़मल की कोशिश रही ?

﴿7﴾ इस मुबारक सफ़र में कितने दिन इस रिसाले को पुर करने की सआदत हासिल की ?

﴿8﴾ इस मुबारक सफ़र में कितने दिन क़ाफ़िलाते हरम में सफ़र की सआदत हासिल की ?

ह-रमैने तय्यबैन में इबादत का आसान तरीक़ा

रिसाले में मौजूद हर म-दनी इन्ड्राम के नीचे 30 दिनों के लिये 30 खाने दिये गए हैं। रोज़ाना वक्ते मुकर्ररा पर फ़िक्रे मदीना (या'नी अपना मुहा-सबा करते हुए खाने पुर करने) की तरकीब कीजिये जिस म-दनी इन्ड्राम पर अमल की सआदत हासिल हो उस के नीचे खाने में (↙) का निशान बरना (○) बना दीजिये। ﴿رَبُّكُمْ إِلَهُ إِلَّا إِنِّي رَبُّكُمْ إِنِّي أَعْلَمُ بِمَا تَصْنَعُونَ﴾ रोज़ाना रिसाला पुर करने की ब-र-कत से इबादाते ह-रमैने तय्यबैन में लज़्ज़त व हलावत नसीब होगी।

फ़रमाने अमीरे अहले सुन्नत : ह-रमैने तय्यबैन में भी अपने अवकात हत्तल इम्कान म-दनी इन्ड्रामात के मुताबिक गुज़ारिये। (म-दनी मु-ज़ा-करा 2 जुल हिज्जा 1435 सि.हि. म-दनी फूल नं. 6)

म-दनी माह..... 14 सि.हि.

नाम मअू वलिदयत.....उम्र तक़ीबन.....
मुकम्मल पता.....
मुल्क का नाम.....मोबाइल नम्बर
वोट्स एप नम्बरईमेइल.....
कारवान का नाम.....आप ने फ़िक्रे मदीना (या'नी मुहा-सबे के दौरान खाना पुरी करने) के लिये कौन सा वक्त मुकर्रर फ़रमाया है ?.....

फैज़ाने मदीना, त्री कोनिया बगीचे के सामने, मिरजापूर, अहमदाबाद-1, गुजरात, इन्डिया

Mo.091 93271 68200

E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net

